

STAMPED IN
I 969
 R. 2nd H. 12

260
 Jyōhisa -
 house chart,
 Nakasatra, divia

वृके १, ३, ५, ७, १०, १२ वान ॐ वृगल सपूज नवदपान ॥ पाकोसि
 माव, वीनियता हवन १ माहाकात्रय हवन ॥ ग्रह पिथिन मूल
 ॥ गामिया महिठ फू १२ मात्र ह्यायाथ सपूज हवुणि ॥ सोमग्रह
 साक्षा ॥ ॐ न्यय हवन दवन द्यानगुथि ॐ यदि द्यायाथम
 याक शत्राणापि नितिसानिह, जाकि कृ नकि सविष्, पुत्रिधर्य
 दानिव, वृसपूज विषय, म्मान दूद, थ हा, हि, के जमाल केता
 कृकि पिचा सनयथा, नलख सखा दालयात, थन सपूजमा
 ला ॥ ~~ग्रह~~ १५ ॥ २ मा हावा ॥ धर्म ॥ आग्रउतु
 १ म हं ध्वति, हन, नाग, आग्र २ धर्म १ अंग्रन न जाय न, नागावा

मह
 ध्वति

यूनयास गोगा ॥ दिन ८ महिठ ॥ आग्रदिसाधमन वृत्रि तिआ
 नकाद ज्ञान, अंग्रतवात्र प्रायज्ञता ॥ ॥ ० दवना जला जयज
 (नगयवृप) ॥ २ माहाकाल, ज्ञान कालि, कुमालि, माहादेव,
 गृह देवता, वागुकि पयग कुरुत, वीनि हनिनि, उकि
 षन द्यन दाक, जल गीहिति ॥ निषती, जयाग्रस निपंति का
 लकात्रकगु, पि १० ध्वति, हलंगी, आग्रदिअया, मागकृता
 गं अंग्रत गृह, अंग्रिसा राया विकार ॥ ॥ जने ध्वत गल
 जपुजापं ववन ॥ कलिस, नागरपूज हवुता व १५ वापिक
 ॥ हि नपि कुरुक गोगा ॥ समसा सगलन, जाकि कुरुका १ तावा

किं मा
दि

वनयधुत्रज्ञा हा कृ ना गार्थं न न ना गया ता हा ता म्ना नम सु हा
कृ र्णी गार्थं गमत्र विग्निया दा द श मि न न य द्वा (अदि स स प्र
त्र अहि बाल या दा द श न य स वा य व वा कि ति त्राय व मि र वा कि
कृ ल य य त्र मि द य व क्वा य त के व व क्वा र वा म ल्का स व य न का
त्र न व य व मा धि स ष् ढा व व ॥ **गुरु क** ॥ १ ॥ **गु** आ ई के मा ति द
वि म र्हे य न मा ॥ क र्म न त्रा ग म ज्ञा न त्र पि त्रा ग्ग ला रु दि षु क
ठि क र्म म् ला प रि वा त्रा रु न पि र्हे का प क ष नृ षा सा ति क र्म व
दा षा ॥ ॥ क र्म न त्रा ग ॥ क र्म मि र वा स पि दा ग्ग ल ॥ ह त्रा ग नृ ग
त्र स ज्ञा त्र स पि दा क ल्म त्र अ दि न द्वा ॥ स स र्वे थ अ प वा यि

व हि य के ना न दा र व द यी व ॥ ॥ ग म त्र ज्ञा ह य का व ॥ प द का स
मा ही का ल य ता षा ल पा न १ हा कृ र्णी ग प ता प हा कृ म् र्क पृ जा या
दा व क्वा य वा नि य ता षा त्र १ ला स र्वा ढ ह न य ता र व त १ ह कि नि स
पृ व ग्ग हा ज्ञा ॥ क त्रा र व स व त्रि पा न १ ल र्ख स व त्रि पा न १ मा हा द स
क र्प वा मि त्र रु षि १ वृ पि क १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००
दि ली ष ग म त्र द व पा र व द व त्र स र्म र व ता स नि प ल र व ग म त्र स र्म
त्र स र्म पृ ज र पृ वि २ ॥ क मा ति स के पृ ज्ञा क प ता न क्वा या व त्र म य न
क्वा या डी क्वा य र्णी ग म त्र म रि ढ सा नि या व म र ह य द श ॥ पा त्र ग्ग वि
स म रि ढ श वा ॥ २ ॥ ३ ॥ मा ही का ल र्वा द ग्ग त्रि ॥ ह नृ म त्र उ नृ ग

उत्तुगजकुमात्रि नाग, ह न, पे नम हा देवदिनि द नमि
 उत्तुगजम ह श्वतिः धजथान गज, जो ना हा ह नुस न,
 कीपन ध श्व पत व थ गिर ग ल, नृ श्व सि ह स्का न गजः क्राधि
 व ना हा इ ता का या द व ॥ स्नान थ न गज कु द ॥ कि मि द य, गिर
 कि मि स्ना स का स ग न, वा हा पि दा वृ थ थ न गज ग, गृ द्म ज्ञानू क
 रु वान ॥ पा द् व स न या स ता र कि ना ग ॥ श्रु क्त ॥ ॥ १ ॥ स्य दा षा
 करु वा न गु ला कु षा वि व ॥ श्रु क्त श्रु त श्रु क द् ॥ ॥ गज या
 ना ग ॥ सा क स ज्ञा य ल प्ः मि षा स्या य्ः श्रु ति लु श्रु य्ः श्रु म या वि
 का त्र व स, श्रु ल, व थ, ना ग या दा ष न क रु वा त थ गुः कु ष थ

न श्रु ण र वा श्रु क कु वा न ॥ श्रु त ॥ द व ता ॥ ना ग पु क र श्रु व का
 श्रु य ह त प त, व नि श्रु त न पि ह न्म र्त्ता कु मा त्रि, उ त लि ग न हा द
 व पि थिः क रु मा गी वि धि, व त् उ ह् त दि सा या द स मि, श्रु क्त वा त उ ह्
 व ना गी ॥ ॥ श्रु ति, द न्म र्त्ता पु ज्ञा, स, स्नान मा, ध द् इ द य का व म
 ता पु ज्ञा, कु मा त्रि, ह ज्ञा, क ता ५ श्रु म य न क्का या ॥ क्का य पि थि स हि द् प
 ज्ञा, क्का स थान १ थ १ ना य, थान १ ॥ पृ ष्ठि स, पु ज्ञा पु व नः र व मि पु ज्ञ
 पु थि ट ॥ क ला ख स ज्ञा न यः म हा द व, र्प या मि रु श कि १ ॥ मि न का
 स ह त पु न य ता, व रि पा न २ रा का ना या ह त य ता, मा त्र, वृ पि क १
 ३५, ६, ११, १३ ॥ पा क द व उ त्रु त दि श्रु दि ति या द न मि, श्रु क्त

कजनेपट ५ दिपागरीसज

बाल गोपशकदिन न सनि ॥ श्वतन नाव गोप ॥ गोप स देवता न
 दहन पृठावडा, माल स्या क क सन निव गोमि निद्रा दयि क त स पि
 दावन यात्रा क स्या या सम कि नि गो उ नु ह न हा त्रि डो, गो हा त क
 न कि यी ह ति र वा द्द यिः क्क तु न स का यि र वा द्द य त्रि स म र्द यि ॥
 ॥ देव गोपा दा द स श्व रु नि व दा स पृठा स्या य क्क थ क्क थ क्क पा ॥ ३
 ॥ म महा का त्र विष्णु वि, रु त व, र स्या न ॥ न दि, मा हा दे व, ना ग
 ह ति नि, कु मा त्रि ॥ ४ ॥ १ ध जा थ नै र्द क्क ॥ स्नान गो ग त्रा स न, भू
 ति स ता, ना ना श्र ल ॥ ध म थ म सान गो ग पि न द्द ॥ ल स ता र्प
 हि हि काः या द व गाल श्र त ॥ सि र्द थ न, स्नान र्द क्क गो ग द्द त क ॥ श्र

श्रु क ल क्क क क पि श्रु त, भू म भू ति स ल व लि, इ इ, स मा वृ ता, इ न ह
 या द, क द्या सा त या या वि का ल, गो हा द्द का या द डो ॥ वा त्रे स लान या
 दा ष न, उ व वि ना, भा द स्या य व ॥ पा र्द गो ग, भू वि गो ग, न वि स्नान गो ग
 त गो त श्र ह्य स र्द क्क थ न सान, गो ग वा न, श्र ष्ठ कि मि पा श्र ॥ ५ ॥
 १ श्रु ग्ग ना रा य नि द वि म र्द य न म ॥ स्नान हि ॥ प स हि वा त ॥ ॥ स्ना
 न या गो ग ॥ त क पि र्द क क्क व यि वः, रु ग्ग रि ति वा श्रु, ज न स व थ अ ग
 न स, त प्ति स वा हा स र्द ग द त स, ज क या दा ष न, भ व न, श्र हि वा त या द
 द वै यि व ॥ ॥ स्नान या द व न ॥ न दि स हा दे व क्क थ अ न र्द त, ना ग जि
 नु ड हा क्क त मा र्ग ह ति नि, कु मा त्रि मा त्रि म हा पि थ श्र त्रि, ग म ग म न न

वि स
 नु वि

लक्ष्मि नृपतमागर्जसुगम नमस्तुतिभयम् ॥ आदित्यवानं वनुधि दादमि
 मागनरागा ॥ अथ अतिरिक्तं ॥ जलदानजिवपूजा ॥ वातिसपूजा ॥ धनि
 वादयकं वपिपात १ कुमात्रियता हजाकं तापिदयकं अमयनकाम
 काय ॥ पिठि सहैव न पायता हजाकं तापिदयकं अमयन पात १ अमसा
 नसवतिपात १ वृषिक ४ १ ७ १ १ वक्रकातकुसुत हृदवला धनहाता
 निगमवद्वसवलिपात १ धनसपूजा ॥ पविट् पूवाकं धात १ सजतामता
 वियक्त न दानजनु मात्यदिग्भवराय ॥ ॥ पात्रवस्तुनयासरागा ॥
 आदिन जायतयुय ॥ वृषनजायत ॥ वायूनपिदायाक ॥ कूसुनत्रिग
 नागपूज ॥ क्राद्वपपाक १ आकासनकाहावव वृदथुसरिवरा

ढायाढादवद्वनदधिव गववनापाता ढादवद स्यवयादवदिव
 यिव भववत्याढादतिव लाढादधि जाकिन लावविश्व हवत्रिकास
 विश्व ॥ रवा द्वा यात्रिसनमयिव रुत्रनपूढाव गुयात्रासपूढाववम
 लनयादवनेत्यदाखन ॥ ॥ १ सिरुया अंगमरागा वेक त्याश्वरु
 तनपूढाव गुयात्रास ७ पूढावव भलनयादव गत्रदव पञ्चनाग नृ
 लि स श्रीशकुल गृहसं गृहवृष गवसजिवस वसि सपूढा
 दक्षिणमसुषाढ ॥ सह ॥ ५ ॥ माहादेव कुमात्रि वातादि
 गनाग दरिवन हनवगासव ॥ १ ॥ शुभाश्वरादि दविमपुय
 ॥ दक्षिण ॥ सिरुनदनागतगदमाता गालादत ऊमदरागमृ ॥

वादा
 हिगु

मनदमंताजनकं पनञ्च साश्चिहं पि ता इव पष्पतागा ॥ वास्याक गलु मा
ला भात्रस्याक पन नातिका क्लासं द्धु तु नि सन यत्र ग्मा कथयथतन
युव ॥ ॥ ननालनव वातपि हेयादवतविका त सीथरु कविलावसाक
श्रमाञ्ज ॥ ॥ सिंहयादवता पर्वतषस्रगृह दवताकापे विष्णु वाम
लुमाहाकात्र उक्किष्ठ हि समाहाहन हन्मन कपिला ज्ञाका सकतना
गतामिन्ये आगम पूर्ववन् विदेनाया क ग्म ग्म न ॥ ०० ॥ दवता ज्ञे दान
सैनि ॥ ५ ॥ उयथान दव ॥ देवसंयितं मतक स्य निम्यल्य संयिनी ॥ पंचमि
तादग्ना दक्ष नदि सुवृष ॥ मागु ता र्वा ॥ ग्मति ॥ नात्रायन पूजा पंचाम

न वागुमा ॥ वतियात १ पात्र ८ द्यकी ॥ खाक्कान रायकी ता ॥ थ हेमतस
वतियात १ वाम लुय तावतियात १ वृष वृगम तस पूजा १ पाख सवतिया
त १ दिप सहाजन संरथ यहा क मूर्कन पूजा ॥ वति १ साल क साधा ॥ थ
॥ वाथु दी सा क ग्म न ग्म पूजा मात्र ॥ दग्गु तिसीपी वाम ता १ कला ख सैवति
ति १ आगम सयै वाप वात्र पूजा ॥ वृषिक ३ १ १० वान वा क द्याव वा
६ वृगम तया ख ददव ॥ ३ ॥ वृख अन सिंह हान यादु र्वगु याव नून
४ ॥ नि स्यूका वडा दकि तदि सा पूठा वृगिय के पम र्शु प्रवमात्र हि कि व
मिरा नन ग्म तया दा कानि व मिखा दिका ग्म युडी अन्न का प्रव गह
नि वायु व ताज का दव ता स पूठा यन् नम वा क रुक पावि यु व ला

ॐ श्री
यनि

हं श्री विष्णु वत्स गदा नन कयुव तु निष्का ककाम रुव दसवय
मात माकु नया ए मा स्या को स्या नया जगाम तच्छि गोक्षि वृधनगा
य न गो गम ॥ १ ॥ गुरु ॥ ५ ॥ गाल स ॥ कात्रि हेतव ॥ पक्षि म ड वूरव ॥

ॐ न्याय निरुत ॥ ना ॥ २ वरु ह्यति नगा य नै गो ग ॥ व्याधि पिदा ह
नन वक्र द व न व न शो गीः श्रु ना ग हेतव वृति नीदु ख विय ॥ गो ग
नाहि म गुरु ॥ पक्षि म व व गो ग वृ न व क न पा न ल वा ड वृ न शि स मा वृ
न क या वा वृ ॥ द ह ति न मा त या द न शो वा ना ह या द व ला गि न ता त म
गो तु घ सा त स न ता नै स श्व त पि व क त रु द य व ग ति प स न वा यि वा

वि
ग्या क द यि व ता ज्ञान श्रु मा न्य या यि ॥ कुरु ग द द यि व क ग त द यि व क
वा त द यि व ॥ २ ॥ न वृष या त क न सि या ॥ २ ॥ श्री ३ न न्या य नि द वि म ह
य न मा ॥ ४ ॥ वृष न गो ग क न सि द य क क का ग पा न्दु ग ग्नी ड द गा त
अ ह त ॥ नृ प ति श्व पि दा क र्वा न को पा क्क ज प्र हा नि क वि त व इ य
॥ वृष या गो ग ॥ रु द का त वे का ग व थ मा सा क पा ड ग द स र्लि ग या
नि वृ द्या दि प थ स न ग ल स ता ज्ञा या क ना पि दा पा त ॥ श्व म ता का
न का म ला क गो य क त ग पु त्रा या य मा ल ॥ वृष या द व ता ॥ न क पि श्व य व
तु पी थ ग क त थ न म हा का ह त ग रु ह ति नि ज ल मा र्ग वृ क ग्नी र्व म
श्व नि व म हा का ल पि ठि श्व ति श्रि लि ग ॥ क न व क थ न ता ग द व ता प जि

मदि अमी छष्टि यनु दे जि वरुह्यति वारं, भूगर्भे ॥ ॥ अग्नि, जक याता पिग्ना
ययता, वात्र २ यदी कार्त्तय, अगत्र दव थाय, अग्नि वरुह्यति, महा ह
नयता ह वतया न १ ला ॥ हा हि म्या त, न याता थ ॥ कया ह नि नि, लं व
व द थ म स पु ज पु वि न पु वा कि डो त १ वा मू ल्मु य ता, जि ता का सा वलि
पा त १ यो निय ता, बाल १ वा इ क, ता गाय इ इ, ध लि, ला हा हि, दा क म्या न,
सा स प ना य, सा, हा व ह व त १ ना थ म्हा वे व, सा न पु जा पि ० स्व त्रि
पा त १ ॥ अ म य न क्का र्थ थ ला व स व त्रि पा त १ यि न रु त्र पु जा व
सं, सा न पु जा व स ना गाय अ सि मा का वा त १ वृ वि क १ २ x १०
८ ॥ प ष्ठि म न्न व व न ग ॥ ३ ॥ वा कू व स न या स ग ग, दा वि

गो ग ॥ वरुह्यति ॥ गाय तं गो ग ॥ ७ ॥ वा यि य न, ख ले ॥ **गुरु** ॥
१ वृ ध, का त्रि, ना ग कं न्या, ता क, वा यि य र व त ॥ सा हा का ल ॥ अ कु न
जा य त पु गो वा ॥ क ग म द न, पा र व न वि य र व स ॥ व त न द्या ल श यि ॥ स
स य ग ग ॥ क त द य ॥ वे व ध न, ना स य ग ह ॥ स पि द ॥ व त्र वि कृ क्त न
ग म ग त ॥ क त र स्या यि ॥ ता व पु दा व व, क स ग, र व त्र त द यि व ॥
तु ती त्रि स द वि क श ता ॥ ग रु ण नि ग्ध त द र व वि यि व ॥ अ त म त
स त, पि दा दा या न त्रि म वि नि व र्म स न या मृ व ता यि व, वा कि न
जा, सा न या यि व, अ ना हा न व नि व र्म वे व न्या दा या, न य म ता नि व र्मि
व्या नु य व, त म द यि व ता हा त पा ता पा ता दा यि व, जा कि क्क वा ध कं कार्य

वाम
न्याय
नि

वविधिव ॥ २३ ॥ वाम दाम ह्यनन ॥ ख न न गान नत्रि व निग
अगु क्कादि रु क्क व कानि सारी ॥ वा मायि ना गु ल्ब न था पि शु ल पि
सा व ज का प त्रि कि नि दा या ॥ ॥ ख त्र या ताय ॥ म त्रा त्रि व, ध का व
ग्या थि व ली ग, यानि व, म त्र द्वा त र्क, प न स, त्रानि स व था बा कि त्रि
थि व, अ नि सार, गु त, गु ल्ब स, ख व थि गो व, वा न त्रा य, पि ग्ग व क या दा
ख न ॥ ॥ ख त्र य द व ना ॥ पि थि स त्रि ॥ हा त्र नि य, ज क ग्ग पु नि,
म हा का त, वा म ल्ब, ह न, प्र गु ज ता धा ला ॥ ॥ पु द व ता, क रु था न, द व
ना द यो, वा थि वा दि ग्ग यी स फ मि प् नु, मा मि ग नि वु ग ह द व ता सा क
य ॥ सी न्कि य ॥ पि थि स, व लि पा त १ पा त २, दू य की अ स य न क्का सी द्वा

त्र पा त्र य ना (ग्व जा १ ना (थ हि जा ॥ न स न था व, व लि पा त १ हा त्र नि
य, क नि य, क नि या, अ लि क्का व र्थ ना य क्क लि का न स क्क कि ति, य वा
स, क्क त र्क, त्रा थू या व, ता हि, दा क त म्बा त मा स त्रा हा क पा य पि लि त प
दा का स ता (थ वा त पा त १ त्रि व का व, वा म ल्ब य ता, वा त पा त १ वा क्का
न हा य की न (थ ह न, य त या ना व लि पा त २ अ न्ना द ता (थ सि मा या
था य स, ल ख का या ग्ग त्रि ॥ ॥ नि स पू ज १ १ द ग्ग त्रि स यी या मि त्र ज
पू जाम न द्या न वि य ठा पा न वि य, पु हा य का व, यानि या ता वा त्र १ मा हा
का त्र वा ल १, पु पि क १ ३, ज, ट ॥ ॥ थ क वा न, व क्क त्रि स, व ल द, व व न
द व, क्क मि द व, द व न क्क द व वा त्र २ ध त्र पू ज, पु वि, र्थ क्क लि

नशकताग ॥ ५ ॥ तुनिग्याष नपया निव. सासतदयुवदहमिनिवथ
 तिसखाव ॥ १ ॥ ॐ नमो ६ धाक ॥ गुरु ॥ गनस ॥ हलव ॥ माहा
 कि ॥ ॐ सा नक्ष ॥ द्वादशा महातकिर्सासकतवपश्चकन. ता
 हकतुगारु. योसनागर्जी २ थ थ्या क थ्या क गम. क कायस. धनदूक
 क थ्या तागव सपुद्गा व वर ॥ वा कित्रि व यि. अनवयिग्रुनियथि
 वरुं गानिव. ता डि. क हाक स्यवनि. दाहायुव. कात अशयुव. न.
 यमात्रिव. लोहान सायिव. नुषाह. कयक न म् माता. महासीता
 पसत्रयिव. भवान ॥ दायव. अकातताग. गतसपि. थवनिवग

तपातसहि त्रिहि त्रि मा निउ नृहनहा त्रि मिखा थक निवधा
 यिडा न्यायाय हि त्रि मिनि युव. वा कू युव. वसहवा ॐ व ॥ २ ॐ ग्या ३
 माहा लकि ॥ ५ विमू ह्यनम ॥ ॥ अकन नो ग्या म इ ४ व का ग विषा
 हय. येव प्र वा द क ई ॥ वलं वरुनिपद ना ग र्ष पि अ व पि त्रा. पु व
 द नी रु या ॥ ॥ अक या ताग ॥ अति नृ ग ल इ ४ वा. मा ग व क व यिव वि
 यया हय द मि व. भव वा द ड यिव. तु नि स व था व की स व था वा प्रा न का
 न व था द यु व ना ग या पि अ व या दा ष न ॥ अक या द व ना ॥ कृ पा त. महा
 का त व कू स्त ना रु त प न न दि सं ग म. व लु का रु ग व नि कू मा त्रि न दि
 क ग्या वा वू षु द व ना डा न लिं ग. ज त थ्या ला ग म ग्या न द व ना कृ ग्वा

माहा
 कि मि

न नागर्क ॥ गमनदि सायाश्रमावाजा ॥ गार्हग्रहदवता, अतय ॥ ॥ अमि
 गमनसंकल १ जाथु यावलाहिदा, म्यात, मासखाक्का १ यायकहा
 कुम्कनपूजायाठावकायनानाश्वतयतापवहानपूजा, हिखालो, लख
 कायाथमा, पूजापविट्तरतिनिस, पात्र १ म्यन्, मास, लहा, दाका
 यमात्र ॥ लखहवन १ क्रमात्रिसक, रुजा, कना ४ अर्म
 यनकायावकोय, ०० निसपूजा १ खाहासपूजा २ सि
 मायाकास ॥ वनियान २ वनयना ॥ दगपाल, महाकाल
 यना, वनियान २ दकाल, वलीका, हगवनियान, वनियान

२ गाल सकहिठपूजा, वानसाआदूनामात्र, कुसवलि
 विषमात्र, पात्र १ कोद्रकवाद्यकी, माहा ॥ कालपूजाः
 पिक १, ३, ५, १०, ११, १३, सावलखाठ, हागिरादव, वाउमवरवल, अ
 सि, अरुडइधलनखकादादडाखलसवली १ धलसपूजापविट् ॥
 ॥ ६ ॥ १ ॥ १ ॥ नमः १ ॥ जय १ ॥ स्रुतिलनहगवाहाखित ॥
 इकिविकानकनुयाजातक ॥ खसुनागा ॥ सामनकल्यान ॥ अग्न
 सिद्धिबुधनमन्त्र ॥ वृहस्पतिगुक्रनकमाथान ॥ विसतिमहता ॥ म
 हग्नत्रदेवता, अग्निदेवता, वसायनीदेवता ॥ कत्रिगामथानहि, अग्नि
 कुंदवाहानवात्रसख, ताकसजाति, तक्रवतन, पूर्ववात्र ४ कत्रिगकृ

अथ तत्रोपाद १ अथ कुत्रोर्क ४३ मख तामि ७८ ३ वृत्त तामि
 पाद ३ न न सु ता जा त म वि नु ते ७४ ता वं पा सा प नित य क का य
 म वा य रु ल हि ष व वि स ख र व क्ता क क गी य क र त्वा य मि उ ध र्म
 त, ता ग स वा ० इ म् द व न य क क्ता व स ग्ग म स ७५ त व व न ना य
 व पु सा दि क द व गु र्मा ना पि ता मा न्य या य व ७६ हा व वि द्रा
 जी ल व न् त ज व न् जी ल व न् पु ग्ग व न् ध न द य क म र्म म
 न म हि ष थि ल व न् मि थू न प्री ति क तु र्क थ ७७ प आ दि न त
 प या य क्ता द्म मे व व क ल्ना वा य द्म व व न थी ल नृ त ७८ हा
 व थू ति थि त थ न द व ता हा त म् क पा ल स लिंग स क्ता स या स

उच्यते इत्युक्तं कत्रा नयानि मिनि न इत्यस्य सप्त त्रिंशत् अ
 णि वा ला व न दे व ता हा ज न् खा स इ या थ ७९ स त कि सि रि व वा
 द सा न त्र दे व ता सा ध न थ नि ७४ हा व आ हा ल सा त्रि हा ज न
 अ का त म् अ ज्ञा त अ ति सा त्र मा त्र स्या क व र्ष १ ना ना वा वि व र्ष २
 सा म ७१ या रु य व र्ष २० ष्या रु य व र्ष ४० मि र्वा स्या क का स्र गी य व
 र्ष १० अ ति सा त्र गी य थू ति म् तु र्ख व र्ष ७१ म थू ति व र व न म
 थू म् मा त्र के य न स न कि द म्वा य व का र्हि क मा स्र ता हि नी न यं यं
 के उ वृ ध वा त थ दि न क्क म् अ थ इ य ३ अ का त म् अ त्रि वा ल न

याय पात, अग्निकर्मयाय, यात्राया दानवलि विष साम्, कंसदानवि
य धर्मया दानयाय, पूजायाय, इति धर्मया दान, या दाना हा
तावियत्रि १ दाना नानाम पूजायाय, स्यात्वासा दाय, धृतिनिम
ल आयुर्वयाय ॥ १ ॥ गहिनिनक दया, आदित्यनसिद्धि रुल, श्री
गहनमय, वृधन उपह, वृहस्पतिनम्र कात्रम तु ॥ गृकन क
ल्यानशय, पंचनात्र पुजापति दे दाना, हल सावा हान, माम् क
जाति, नागसख, पीत वन, तत्र स का ज्ञान, ववनव्यय तु यथाय
सनी हागा शय वसं ग्रामसं हागा धीत्र वाक, व ह मित्र, व ह मित्र

प्रवनमय दाय शय, सत्यदय, रवालय याय हा डा, म, र्व पारव
नयय, रवात्रि, मामव वृगुत्र पूजाया क, हा मा कोमल, दा ता शय
सत्यदय, रवा साम् सय, वरना क शय, रवात्रि त म म वायु वती
थथनयं शय हाव गत्र पत सखा त स, कृकृपाति स, नृगत स,
गृह स, हा वान स, स्वप्रतिज्ञा, वसंत रव स, दवं रव हा, थव कृ सदक
हनी धक कृक, कानया ता हा काय भावा नय को वृधन हागा, अ
हात्रयि ना, पकात्र म युवर्ष १ जोत्र, व्याधि म रव पातन, कथू स्या क
रवराय मज्जिव, कान हा युवर्ष १ ॥ १ ॥ द्रुगपन सस्या क, वर्ष २० संग्र

मसुद्यातर्वम तुवर्षे २० अथवातम तुवर्षे सिमायव शोदनं कति
निवरुय थुतिम तुवर्षे ३० पवनम तुवर्षे थुतिम तुवर्षे मा
न कयात उपायं लकीमिपुजाय ॥ नायववस्तुन नत्रिय इ इपं वाम
तन ये तुवा हात पूजायाय सात माहादव पूजायाय ॥ होमकर्म
याय ॥ वल्लावन कर्म याय कोमात्रिपुजायाय ॥ थुति अकाजम तु
नासुवर्षे २० म्याय ॥ थिताय पूर्व ह दन ह तु अंगवातम तुदि
न ॥ २ ॥ मगलितान ह तुया ॥ ॥ बलावाहान दवजाति ॥ विमल
सकल्यं सुकर्म सिधि इ बलुम ह म तुवर्षे नययु लीला कोहि पदा

यत इय ॥ आसुखालं कुकुर २ वृष २ वृष राशि पारमि
थुन रागाया इ थुति वत सुवृष माया तागिल वन ॥ धर्म तवनी
जोत गात वा दन सु सामुसयु पठित साय द कत सु सलव वन रा
गा इय ॥ पुसात का थित मा न्याक धर्म का ज सुयव थुति
श्व हाव थित वित ॥ थित थान गा व त रा त न स द न स थुति सुत
थव द न सुद व दानि सा मि न त सा मि सा सा हाव व स्यं त र व दिति
सं तुयि सं कुम म मा इय ॥ तय म्या इयं रुव ॥ म
हाय व दि र वं सव ॥ पंदि त इयं रुव ॥ को थ थ वत सु

नवसति ॥ आहात इह धृति नय यद ॥ ता. दा. सान हा यजा
 यधक पर्वत सहाया धर्क निव ॥ पका तला गथति वर्व
 भात स्याक नम नृत्वं मूख याहय वर्व ६ अति सात नम नृत्वं
 र्वं मूख याहय वर्व ११ र्व याहय न सा म ग याहय वर्व
 २७ सि मा याहय वर्व ३७ म नृत्वा हय वर्व ७० पत्र द ज स ग
 मन याहय म नृत्वं वर्व ७७ स म पु धा त न म नृत्वं दी स हा य क था
 त उ पा य ॥ र्व द ता म नि न ज या य ॥ आ म पू जा या य मा त ॥ र्व
 य त द्वा पा थ या य ॥ ॥ कृ ण कृ ता स सा द क दा न वि य मा ता व
 नि क र्म या व क प त म य थ न हा व व र्व २१ म नृत्वा यि ला या ॥

उ ग्रा त्वा न कृ त ॥ क्षा म वा त थ दि न स म नृत्वा ॥ ३ ॥ ॥ आ ज्ञा न ज्ञ
 या ज्ञा न क ॥ वृ ध हि ॥ अत्य म ही म नृत्वं ॥ नृ क ता त ॥ अं ग त वृ धि
 दे व ता, वै ष्ण वा ॥ वि वा हा न ॥ वि वा स त्व ॥ म नृ कृ ज्ञा त ॥ ता
 य कृ स उ नि वृ ध कृ त ॥ मि र्वी हि ॥ त ज व न्क ॥ र्व स यु ग्म नि
 री य ॥ गि ल स रा व री ढ ॥ इ कृ सि य र्व, सा य तु य या पू णि प
 का ध, अ ला णि, वृ प नि श कृ न, अ हि मा नी ता हि, स व क श य वि
 या स र्व, वा त क स इ वि श य न र्व, पु त्र र्व मि सा थ ना य, ति त
 स थ न ग त पा न स या न स, लि र्व ला र्व, ज र्व, ग र्व, कृ ण स र्व

न स शया २५॥ खा स शया ध क हिति स शया ध क नाना आ री का ध
 निव, आ हा त स र्क य व, भा त स्या क म न्यु र्वी वर्ष ७ मि रु य न म न्यु र्वी
 वर्ष ८ स र्पे न हा य व रु य वर्ष ९ पु र्व श आ दि न, क ति ति या रु य
 वर्ष १० प त ला य न म न्यु र्वी वर्ष ११ पु न व् या रु य द य म न्यु र्वी
 वर्ष १२ नाना ल म् द्या त श र्क ह य म न्यु र्वी स ति पा त वर्ष १३ स
 र्वा ग स्या क म न्यु र्वी अप वा त न म न्यु र्वी थ ति अ का त म न्यु र्वी मा
 त क या त उ पा य ॥ आ म पू जा, को मा ति पू जा रु य या य, वै रु थ
 य, मा हा दे व पू जा या य ॥ अ त नि पा त या य ॥ व क ल्या व न थ
 ति सा नि ॥ प त म न्यु र्वी, पो र्व पू क्रि सि, पु न र्व स न रु रु या ॥ थ

कृ द्वा म न्यु ॥ २ ॥ पु न र्व स न रु रु या ॥ अ नि ग्ध त र्हि व ह स्य ति
 न म न्यु ति ता त ॥ वृ ध द व ता, प त स्या न वा हा न दे व जा ति ॥ मि
 थु न त्रा जि पा ३ क र्क त्रा जि पा ३ जा त रु व मा या ता ॥ प दि न रा र्य
 रु व वि या स यि व, स प ति क रु द ना रु व थि ल श य ॥ वि त ना यु सा
 हा व, रु त स यु प्र सा दि क द कं या थ त गा न वा द स य ॥ त्रा म जा त्रा द
 य कि व ॥ द व गुरु मा स व वृ रु कि श य व ॥ त्रा जी क स सि व क रु व
 वा त क रि वा हा त स प स र्क स र्व द य र्क ३ र्क ३ का य दा य व, ति त थ
 न, प न स रु ति स, ग त थो न स, ति त थि न, स प प ति आ, द व ता, आ
 ता ध न, व रु आ का री का त कृ ति व न व स नी त रा य ध र्क, आ हा त

इइकस्मिन् यत्ना गधतुवातपीतवर्षे यत्नलायमत्तुर्ववर्षे ३०
अथ कवि, कातिनिवहयवर्षे २ सीमानकाटिनिवहयवर्षे १०
खयाहयनमत्तुर्ववर्षे २० समुनद्याननमत्तुर्ववर्षे २० अतिसा
ननमत्तुर्ववर्षे ३० अत्र गगवर्षे २२ सदि पातवर्षे ०२ अत्र
अतिसात्र अत्रिस्मत्तुर्ववर्षे मातक ता सानिक कर्मपयन जापा
थयाय क्र ४१ ता वेवा हा पूजा अग्नय पूजाय ॥ अग्निपूजा
माया ॥ वल्पाचन क्र ५॥ पालपूजा ॥ साकान शयू ॥ यनप
द्य आयुर्वर्षे २० अतिमादाडा, पोखया ॥ अनिष्ठवात्रधक
क्रमत्तु ॥ पृथान क्र ५॥ अनिष्ठतर्हि वृहस्पतिनमत्तुर्वपुनक

लसवाहाना ॥ देव जाति ॥ किषिस्त ॥ क्रकतालि, यदि न सवृज
भावाभा, क्वासुरवाल ॥ लाकुरवल ॥ व्याधियक, शय तुययायूहा
हाताक, अखलसयिवधर्म, स, ववनर्हि, दाता डा ॥ ग्वरात्रवि
न, द्विप्रकीर्ति, तमताराव, अरुमानि ॥ कामलवर्दी ॥ असत्पूजा
यू ॥ कोत्री ॥ मं हा न क्वा ॥ वाया अयमयू ॥ यासापनियक, वनिगो
लसंपतिहायो वहुमिद्र, पूरुखशनसायाहा ॥ कुलहकिश
यू ॥ अत्रयानखालस, गत्रयनसत्रलकृष्णसहस्र अतिसतिन
दयू ॥ ग्वपुपालका ॥ अग्निकर्म ॥ दर्वस शत्रयार्थनानाउवथ
तिअनिवृपकारमत्तुर्वमकिल, आहातवायू, वायू, पादूपा

२३३ धतिनयुः ५ अनुवातताग १ मिखा स्याक भूती सात्रवर्ष १३
त्रदाद्यवर्ष १० सर्पहयना नाहयपत्राय मत्तु खर्ववर्ष २० मवयाक
नातकया के शया भुविवात हयसम सुधार मत्तु खर्ववर्ष २४ माहा
डोलवर्ष २८ तिथिगमन मत्तु खर्वति क्वाय ॥ तामका के ॥ यदात्र
भृहतिविय ॥ दवयुजा दानकर्म नसाक लखन वैशुवा लपुना
॥ शहा नथनका वद्यावक ॥ थुतिपद्य भाम् ॥ ११ ॥ पोरवगमकया
॥ एवोत्वा दानक ॥ वृहस्पतिवा तथ कृष्ण मत्तु ॥ ~~भृहस्पति~~
~~जगु~~ ॥ सखनायुः हाकडन पूर्वदात्र वन्दु कृष्ण सुप्रिय मिखा
काइ धर्मत सिने रुनायुः सहाव मीनिमिति नइव नित्युः

नियक शंयुः कतात क्री ३ कायु ॥ आप्रमिश्रय भृतिताहिरायुः
वितर्कवलशयुः तयात्र मखाव भृस्य द्वायुः द्विप्रकाधिकि
कृन्दे ववनता तदयुः कपात सगायुः ३२ अ सन गत्र सथति
तित्र सप्र भृगि मसमा स सैद्यसन ससाक निव आहात कलि
धति वाक नय नृव ५ अनुवातपीत लागवर्ष १ म् खपातन कयि
वयु ॥ मत्तु खर्ववर्ष ११ माहाया विग क्रूरहयवर्ष २८ विगहयना ना
हयवर्ष ३० दानवियु हयवर्ष ३२ सान वायु हय ३५ हयवर्ष
४८ ताजदं दहय ३५ क्रूरहय भृतिवात हय थुति नित्यु हय दव

हृमिसारु लदयक धर्मोस्तासु, बाआया व कगिवरु हयायतला
 वन नयाय ॥ सानि स्रियाय, अग्नि पूजा दानयाय, अग्निश्रुका
 त्रम अनास पद्य आयुवर्ष २० अग्नि म्वा हात माद्यया, अर्कवा
 त कृष्ण मय शय ॥ ॥ मयान कृष्ण ॥ पर्वता ल ॥ अनिष्ठ
 त देवता ॥ मवा हात ता कृष्णाति ॥ नायु उन हा कृष्ण ॥ सु
 र्ये कृष्ण ॥ प्रसादिक वलवन् ॥ नैजवन्थन अर्हागताव ॥ कता
 तन मा न्ययाय, पद्मा कता तदय ॥ वात कृष्ण इवि ॥ तव धडथ
 नताय ॥ ववन था तद ॥ थात मित्रु हं तात ससु त द्विपु का विवि
 यासय कलनाथ ॥ अही मान मरुय ॥ कल हाय ॥ आखत स

य ॥ तीत्र विनवा तसु गत पात सु पुति ता हात सु कृष्ण नाना ध
 तुवात पीत, लक्ष्मि सपका तय वर्ष २ व सपक वि, गत ला गवर्ष ७ ना
 नाया वि ॥ पथ लाय वर्ष २ पीत गत न पुनि व वर्ष २ ७ संग्रह यजि
 व संसय तु वर्ष २० सर्प हय वर्ष ३० म अर्क पद्य आयु वर्ष
 १० अर्का तम अर्क मा त क या त उप का, वं तुष्टा था पनयाय
 मा हा देव था पना या य ॥ लक्ष्मि विधान य अर्मय ॥ ज्ञा ग्म पूजा
 याय ॥ अग्नि पूजा दान विय ॥ वल्या च न सर्व ता ग सा नियाय
 ॥ पत्र म अय ॥ माद्य दृष्ट ॥ अनिष्ठ वा तम अदिन ॥ २ ॥ ~~मयान~~
~~मयान कृष्ण~~ ॥ ता ह देवता ॥ आस ॥ म देवता, ता हा वा हा न सि

हसत्यताकसजाति॥पदिनंशय॥थात्रतत्कतातसकदय॥राज
 शयनेजवक्तुविवाहातसहागिशय॥थात्रमक्तुथात्रवर्कदान
 सन्यहावगानवादसय॥कोठसतित्रमिखाहिठदयकुलका
 विधितठाकल्याण॥थात्रदर्वमिउपनिर्कल्यानयाय॥
 धनवतसमस्तकाजसक्तुपात्रिसतिनसप्रदवताप्रजात्वंवि
 सक्तिताथक्रनिव॥श्रावचिन्ता॥नाहाजाविपात्रकखाय॥थ
 निनययव॥धनुवानपित॥गगयिन्ता॥वास्याकक्रणधात
 स्थाक॥मिखास्याक॥श्रुकालमव्यवर्ष३माहायाधिवर्ष१२श्रु
 निसात्रसानवायुहयवर्ष१०समुमात्र॥वर्ष२०कामप्रसिमा

नकतिनिवहय॥तित्रियातिमितिहयवर्ष२०कामप्रोत्रवर्ष३०
 विरायमइतोय॥श्रुनिसात्राथयुतिहयमूमात्रकयातउपका
 त॥कंदयक॥वदयक॥दवथयस॥क्रणतोपथयाय॥माहा
 दवप्रजा॥वल्यावनयायवर्ष२१माहाव॥वेगुयापाइ॥सातिनक्र
 त्रश्रुदिवात्र॥ग्राह्युर्ध्वउदयवतसमस्तुनिदिन॥२॥
~~मिनहय~~॥॥दितात्र॥श्रुक्रदवता॥कनुदवता॥ग्राहावाहा
 त॥मानुजजाति॥सासत्य॥श्रुदिकरव१वृधद्व३०नसताज्ञातसा
 मुसमुप्रसादकायुपासापनिर्कल्याण॥वर्तवत॥समस्तजनन
 प्रीति॥धनसमस्तसय॥वनजकर्मयायु॥मिसाग्वहाडा॥गायुरवाल

शयुपत्रदण्डान्यद्वावा॥ कतातर्कं ३६०॥ यत्किंथातवदन
 थातद्वंभरिंसय॥ तेजवन्त॥ विद्यासिद्धि॥ तममहिङ्गा॥ ति
 तविठ॥ कपात्रसंगतधानस॥ पात्रिसा॥ भूर्तिगारु॥ सायुनाना॥
 आहातसकतीयवतीगविना॥ क्षत्रुवातपीत॥ लक्ष्मि १ कृत्वि
 लोगजात्रगृहपीजा॥ नासदसस्तानवायुहयवर्ष २० जात्रदाघ
 यीयिकानियाहय॥ वर्ष ३० व्याज्विबर्ष ८० समुद्यात॥ कतातय
 निमिनइश्वरिय॥ कृत्तदयूयकाममयूममानकपा
 तउवकात्र॥ वेजवाहात्रयूजा॥ माहादयूजा॥ दामक
 र्मयाय॥ तहायाधयाय॥ रामयूजा॥ वल्ल्यावन॥ अका

नमूय॥ निवाननवर्ष ८० यत्रमज्जय॥ धर्मदानस
 मस्तुल्याखवादाव॥ द्वागुनिकुयू॥ अवनानकृत्त॥ अ
 निश्ववात्र॥ नाहीसमयूरुय॥ १०॥ ~~द्वाराद्वारा~~
 ॥ यवनाना॥ सवित्रादेवता॥ जमदेवता॥ किसिवाहानदेवता
 नि॥ मज्जसूत्र॥ हं हं क्षत्रवाल॥ उरीशय॥ उपहिशवभावाता
 पदिनशयूरु॥ प्रसादिकमिसा जातिज्ञातासा नत्रवन्तवत्रव
 नसर्जनप्रिति॥ ववनहादशयु थातमशववाका॥ मिखावि
 ययव॥ तहविषयककताता॥ कासभावाताअकुहीतपासापनि

वजाति॥ भञ्जसत्वा॥ द्वाइखालशय्यरुवा॥ पदिर्तं शयू॥ सय्य
नसनायापू॥ प्रसादकायू॥ वलवक्तशयू॥ नकरवतमनायू॥
रिठककर्मताजसवकशयू॥ बाविदयूपनदञ्जसससिद
यू॥ दर्वरयू॥ प्रयाहयइ॥ कतानहागदयू॥ मिसाथन
यू॥ वयलविना॥ कतहायाकुधनकाविशयू॥ दाताता॥ गहि
भ्रात्मा॥ पवयाथसकनानयमात्रथनसूपनमइ॥ भवयाक
तानयाकशयू॥ निरविना॥ खातमगुहसविना॥ स्वप्नानात्र
नकात॥ भ्रातसतिहाजन॥ भ्रानन्दशयू॥ वातापिन॥ रुस

सतिता॥ मिखास्याक॥ भातस्याक॥ भ्रुतिसात्र॥ कुखिलागा॥ अका
नमवृद्धा॥ दातासंदादसी॥ खालवाथकथलागा॥ कुखितागा॥
१० ता१० वर्ष१० प्रयहयवर्ष२८ कृता१० कुनकृतिनावहया॥ सम
हयकृ०८ ता०८ प्रयाहया॥ वर्ष०८ संग्रमसकृताद्यानमवृत्त्यु
तिभ्रकानमवृत्तहाववर्ष०९ म्वायू॥ अथवावर्ष०९ म्वायू॥ थति
म्वायथाता॥ यवपुहातना॥ येनुवाहापूजा॥ इष्मिपूजा॥ माहादे
वपूजा॥ वलिपूजा॥ वैभारवनवमि॥ अम्भवातमयुदिन॥ ॥
विष्णुवाहनकउया॥ ॐ नमो॥ रुसिवाहानताज्ञसजाति॥ ॐ
धनहागि॥ वाताकर्म॥ मिसाकाकविता॥ जकरवाकाका॥ द

न इव जाति ॥ मणसख ॥ तक्रवतन ॥ शुक्रवतर्न ॥ विकृतजि
 पाइधनु गोआपा ॥ अग्नगज ॥ शुक्रदस्यति दवता ॥ पदि तपम
 वक्त ॥ धर्मकर्म मय ॥ आखलसय ॥ खजा हत रुथा ॥ हुता
 तससुत ॥ ववननानसिय ॥ वहमिनु खवगु ववन ॥ विशास
 युवह ॥ उथनदवदयकर्तिता ॥ कतानर्क ॥ कायप्रवाहीम
 इ ॥ विग्रहलागा ववलवित ॥ गितवादसय ॥ जनकनाना
 यु ॥ तमननीतम ॥ तसखंग सुगति ॥ नूपतिठ ॥ सत्यवादि
 जसरागा ॥ वलवन्त प्रीतिववादिगन वंसी ॥ थक्रनायक ॥
 थगसरागो ॥ तितिवशव वा हानिर्ज्ञपातसहस्रपाद ॥ थति

तथाना ॥ कृदा ॥ गमववाय ॥ पंक्तिना नार्काना ॥ अक्षारो
 जन ॥ राहाधनीइइ ॥ प्रीतिगगविता ॥ अतुपीतभुक्तिना ॥ अक
 तमयुदा ॥ उहाता ॥ वषथकन्या ॥ गसायप्रक्र ॥ पिताविद
 ॥ नानावाधिवर्ष ॥ कयलयवर्ष ॥ सखरयवर्ष ॥ अति सात
 ॥ सिमानकतिनियारयवर्ष ॥ अमरुहय ॥ नुसयवर्ष ॥ २ मात
 स्याक ॥ साभगयाहयवर्ष ॥ अथवावर्ष ॥ २ साय ॥ पकातमयु
 मातकेयाता ॥ उपाय ॥ माहादवसुजा ॥ नानाविधाननलीखहमि
 सवलिविथ ॥ परमत्रादिना ॥ अष्टकसुयाभुषमी ॥ एवम

श्रीगणेशाय नमः

नाभं उ३ ॥ वृषवा तथ कृद्वा वासमव्यु॥ अ३ न उ३ ॥ कापल्य
 वासन ॥ सूर्यदेवता ॥ कामादिदेवता ॥ ताऊ सजाति ॥ ॐ नृदेव
 ता ॥ तापुखाल हाकु शयं रुव ॥ वनर्व तमा हायुधि ॥ वसुमि ॥
 कापुमिज्ञान गारुदयु ॥ धनश्रुपाल दयु ॥ मिता वग्मत ॥ क्रोधय
 य ॥ कता न स्रक्काय ॥ विनथा ॥ मयून संपहि ॥ सिनवन
 नायु सहाव ॥ आत्मा शताका कवित ॥ रवातम सहाव ॥ त्यापुया
 वृणा तवा यप्रीया ॥ वसुजानवा पालंथा नवुद्धि यु ॥ कता न यानि
 मितिन रत्नगिरि ॥ कता न ता सतवद्धन ॥ लाहिमन, तववादि
 कृष्णकवित ॥ यकधन दयकिना ॥ कुलविता ॥ मामश्रुवृशवरा

॥ भूतिस्त्रिजनत्र जायाय ॥ सवानकाय माया था कु ॥ गतिही द
 हतिमर ॥ रवुनधनवृत्त्यनिशुव ॥ मषुगुत्व संवादि ॥ वरुनथात्र
 आस्यु ॥ तिरविन गतपातस ॥ जसं कृकृसं हसुपाद कृष्णपातस
 रवातसविन ॥ कृष्णानाना जीतु नाना पंखि रंखसमृद्ध, कृष्णावथ
 तिआहा तसर्वं रुय ॥ ३ ॥ रवायुपादुपातु निता हा जना ॥ अतुनरु
 पीत ॥ अकनमयुहा कृष्ण तादादकविवयुव ॥ विकृतायुव ॥
 नृकातहदिनमा स ११ माहायाधि ॥ कृयातयवर्ष १२ आतयाधि
 वर्ष १० सग्रा मसहय कृतिप्रिया रुय रंजवृहा वतसु रयवर्ष १
 ८ सिमानकनिनीव रुय, दाती सर्वषरुद्यातकवर्ष ८ यसनदि

यं रुद्रा ॥ वृनष्पाओसमुद्यानक ॥ हसपतमत्रायुधसर्व ६०
 अथ वासनकुदनाम्बाय ॥ संतुमात्रानकुर्वक ॥ महंश्वतए
 जायाया ॥ अग्नापजायाय ॥ संहातदयक ॥ वल्गावनएगा ॥ क
 इजाकिनजायुयावनाहामविनायप्रतापकाय ॥ अहसम्
 सानसत्रसताविय ॥ ॥ ~~कलनक~~ ~~प्रज्ञानक~~ ॥ यकतात ॥ ॐ
 देवता ॥ लिनवाहान ॥ ताऊसजाता ॥ वाइनीयुडना ॥ खजाया
 सहाउल्यावक्कवेतसधनरुयुत्रिपतसगुखिशय ॥ थात
 दद्या ॥ प्रातिस्वयतुययाय ॥ वकुमिजपुठधनताह ॥ माहवृष्टि
 रुथाइय ॥ मायावृष्टिवचनमेवियुविद्यासहागाभूमिमानि ॥

शीगाइयतातांसताय ॥ वायययुधर्मवक्त ॥ अथवातद

वकुल ॥ कतातनयुहायाकुलवित ॥ गुनुनिद्रायायु ॥ तसै
 गसमाहाप्राति ॥ त्रिपकाधिदताधर्मनिनाताति ॥ कला ॥ न
 गयानसुजलधुसुखतसुजस ॥ खोतसतितविनखपसक
 नाकुनिव ॥ अहातमिथ्याहाजन ॥ अतुवातधिन ॥ अजावने
 लागा ॥ वर्षे १० भातस्याक ॥ मासशोग ॥ कृताद १० सिमानकनिव
 रुया ॥ पर्वसतिदिनमास ॥ पुवतनकीनिनिव रुयवर्ष १२ रिवता
 य रुयवर्ष ३६ समुद्यात रुया ॥ सास रुयवर्ष ६० योत्र रुया ॥ पत्रम

आयुर्वेद २२ ॥ नदि वना ता उ ग रा ह पू र्ण ज रा वि य ॥ धु न कृ ति नि व
 र य ॥ जि म नि कृ न म वृ नि वा त या उ या य ॥ इ र्व मा तान नि व पू ज
 या य ॥ अग्नि पू जा या य ॥ व ल्या य पू जा ॥ ती र्थ ग म न म गृ ह व नि
 ॥ ~~पूर्व रा न कृ य~~ ॥ रा हा वा हा न ॥ मा कृ स ह ॥ धु र्म आ त्मा ॥ अथ
 न ध न ॥ स र्ज न वी प्री ति ॥ ता ज स वा न कृ वृ का य ॥ वा क स दा ति द्वा व प दि
 ज मृ ल्या व न व ल स ना यु स हा व त न सि धि ध र्म वृ दि ॥ द व कृ ल स य त स ता
 या पु ॥ ग ति य क व ह मि त्ता ॥ पा वा ता य का द य ॥ ति र्थ स र्वी था त व व त
 ला पु म या क व ॥ ध न क र्षि ग त ॥ क ता म ना यु व हा त स र्ज ता गा ॥ गु
 रू क र्ति थु त व त मि उ हा गा ॥ वा धि न क यु ता त वि न पा त स वा

रा हा त नि र्क ॥ नृ ग त स कृ कृ स पा ति स प्प ना ना श्री का त ॥ धा तु वा त
 पि त ॥ आ ग अ ति सा त ज्ञा त ॥ हि रि व र्ण य ॥ अ जि न कृ ल ल या न य
 थ ॥ अ काल म वृ ॥ कृ ता व र्ष ७ र्वी ता य व र व र य व र्ष १२ व ता द्या त ॥
 सि मा न क ति नि या ह य ॥ अ य र य थु ति अ का त म अ म्म सा त क
 या त ॥ उ प क र ॥ त ज ये ज थ य ॥ सा नि स रि व ल्या व न या य ॥ य द्वा
 अ य व र्ष ६० अ थ वा व र्ष २० थु ति न द व व ष कृ स वा या कृ थ य
 धु न का ति हा व म गृ ता म कि हा व म गृ दि न ॥ आ रा त गृ कृ या
 ॥ पू र्वा रा न कृ ॥ अ कृ वा त थु ति स कृ ता म गृ दि न ॥ उ ज रा वा
 हा न कृ य ॥ पं च ता त वि षु दे व ता ॥ अ नि श्च त ज ॥ व लि अ

अनातसवहृत्, धनुवानपीत, रू सस त्रित॥ अकारमत्त॥
 तावर्षेयकलाय, कृयातय, पीवकात्रनपुनियाहय॥ वर्षे १२
 माहाद्याधिवर्षेयकामनात्रहं नातसनामनाजावर्षे २१ मत्तु
 आत्रदाववर्षे २२ कोतिनिवनियाहयवर्षे ३२ पूर्णषष्ठयनि
 याहय॥ खा नवृष्टयनियाहयवर्षे २० संप्रमसवत्राद्यात्र॥
 मृत्पुत्रधुतिज्जकारमत्तुममात्रकयाहा॥ निवपुत्रात्र
 कृवतुधाय॥ हामयुयक॥ सातिवष २७ द्वादव, अष्ट
 कृया॥ पूर्वद्वानद्व॥ अष्टवान॥ वाङ्मीसमयू॥
 यपात्रदवहृमिनकातिनियाहय॥ मत्तु॥ ॥ भव
 नात्रहृया॥ तितान॥ मानुषवाहान॥ देवजाती॥

सना॥ मानुजजाति॥ माक्रसव॥ तकावतर्न॥ नायखात्ता॥ प
 लदणससृशय॥ अत्रतियष्ययुथवकात्रानवमाहाप्रति
 ॥ कृपनिआपुमिश्रय॥ भरिंसय॥ वात्रकसदातीप्रशय॥ व
 हादकायभावातामका॥ अथाहातीधर्मसय॥ हत्रखात्ता
 दानसय॥ पुवआविमकुलखिन॥ समतपत्रिकात्रनीप्रीययु
 शय॥ गंधमालपिय॥ हत्रमद्वनिजाल॥ वसुजातिनहगा
 ॥ वृत्तसहाव॥ तीनवि॥ असवाहात्रनिर्वी॥ हतगिर्वेखात्ता
 हत्रस, पात्रिसनात्रविनदयु, अनिवजलक्रिदावमुखया

I	948
मुद्रादि	

हि। धि। य। व। का। न। ग। र। द्र। य। मान। वा। द्र। य। न। ल। सि। द। अ। न। द। र। सा। द। न।
 ग। य। म। सा। न। र। व। का। य। द्र। य। न। सा। द। न। सा। द। न। ॥

मा कसुख ॥ स्यामवर्ण ॥ विदग्धसूरी ॥ अर्थवक्तव्य
 मित्र ॥ वानकसदात्रिद्वि ॥ कजातव कलहाय ॥ कर्नाम
 ननाजस्यवकधानवाल ॥ हनुवानीवितकाधि ॥ तिरवि
 नगाथी ॥ उदलकनल ॥ गजसू वा निहविन, द्वादया
 ॥ शुद्धिकाल ॥ आताग मासमासवा ॥ पाइ ॥ धनुवानपाता
 नकेलाय ॥ नउलाय ॥ दहलाय ॥ कथलाय ॥ कनसूतमू
 र्वयाननवस्यकवि, बाधिवसू गायवर्ष ५ कुत्रावर्ष ८ वसव
 र्व १२ दिन कुत्रावर्ष १२ कुत्रिलागडालकुत्रिलागवर्ष २० मुनि

मिनिन इववर्ष २५ सिमायातया ॥ सानवायूतयवर्ष ३३ शत्रु
 रिवलागवर्ष ५० खानवृथाय ॥ सानवायूतयवर्ष ७० शालभू
 तिसाता ॥ थुतिमयूतय ॥ मयूनमसिनसावर्ष १०० म्वायू ॥ अष्ट
 मासा ॥ उवावायानजु ॥ गनिष्ठवातमयूतवनि ॥ भूकातमयू
 ममात्रकयातउपकात्र ॥ हामयका ॥ फासकुतासतामात्रनसाहादव

सजायाया ॥ वेदपूजायाया ॥ तवितथया ॥ संहतपूजा ॥ साकि
 सिवि य ॥ कसत्रकर्म ॥ तजपाथयाया ॥ अकातमयूनिवत्रनज
 य ॥ ॥ धनेषानजु उजानक ॥ सकतात्रविषुदेवता ॥ वाहन
 राजसजाति ॥ सिंहसहा ॥ आसुखा ॥ नमतामत्रद ॥ विशवन्

समस्तजनप्रिय॥ सर्वज्ञादि॥ अहाणि, हा इति तिथि सति॥ पत्रद
गर्भसूखा॥ वयनधात्र॥ माघादि॥ हथादि॥ मरिचि सत्र स॥ पु
सादिक॥ सत्यवादि, धर्मजननिपुस्वला जसवक कसति॥
बुद्धिवन्, सयानराय, वलवित, अहिमा माजि प्रकाषि, ताना
लाभा, वदयके तव तय, तात्रथान, व्याथस्, क्रास्स, पात्रि
स, पातीस, गुहस, अहा समस्तपतिकारन, आहात, ताहाधनी
इह, धन, धृति तव कानयनव, अहुवा नपित गो गसितसू
त्रकुरिवा ग, गुहस, अकात्रम, बुद्धतावर्ष २ मरुपातन ओ

ले, आदया कू, ताया, मा हाया विभात्रसाक, कृतावर्ष १४ वतुर्वेद
याहय॥ वर्ष ३० गुहसूत्र, सर्वलोगवर्ष ३७ अविवात्र, नमयु
र्वी, सत्तूहयप, अयुर्वर्ष ६० मायु॥ अकात्रम, बुद्धमात्रकया
ताउपकात्र, साति सुस्मिकवल्यावनसि मापिय कुलकर्म, वृत्त
पीयज्ञाव॥ धनदानविद्या॥ सहात्रकर्मयाय॥ वत्रिविद्य॥ देवदक
अपुयाय॥ धृति अकात्रम, बुद्धनासहाय॥ ॥ अतहि खान अयु
॥ नृकतात्र॥ वरुनवना, थुसाकारान॥ तुलंगसूत्र॥ ता असजाति ॥
उजुप्रव॥ कृष्णवर्ण॥ धर्ममायात्वाप्या ५॥ लाजसवाहाव

गानवधितिज्ञयु॥पतिवातायक॥पदिनवीचकना॥निपुनिदागात्र
 तमवृद्धि॥आखलसयु॥ववनखालखदयु॥क्राशानत्राहा॥वाहा
 नाहकत्र॥वातसु॥दीर्घलागा॥निपुनसुत्ररात्रसयु॥धनहाणि॥
 अविवात्र॥किशियाहय॥साउसखयाहय॥आययुक्तसुत्रकर्म
 नतिनेथमकायाहाया॥अयसुनितय॥हात्रपित॥जगतथाति॥अ
 विघ्ननागात्रवीन॥कायतन॥कतातर्फी॥३॥त्वापूष्या॥वितमि
 युनसुप्रानि॥कतातवनवल्य॥धुवदगा॥हतजधपादसु
 ख॥विनश्चकावतुसमसु॥आहागान्तसात्रीहाजन॥अतुवातपी
 त॥गोगात्रति॥सात्रनृत्तिनिमात्रस्याक॥जितसुत्रकवि॥न्याद्रु

आतायाद॥मिरवास्याक॥वर्ष१२॥अहिवात्रवर्ष२०॥पूयाहयवर्ष२४
 गक्रयाहयद्वयसुत्र॥कुखिलागवर्ष२३॥अहिवात्रहयवर्ष२७
 २७॥पूयाहया॥अनिपात॥सुत्रलागवर्ष॥युतिप्रकात्रमयुर्वी॥उपकात्र
 ॥हामकुयक॥मसपूजायाय॥तायुवधनना॥धर्मधनुगायाय
 बलिकर्मयाय॥रुजाहाया॥पद्मभूय॥वर्ष२७॥हापुक्रुष्या॥हय
 नजजा॥अनिश्ववात्रमयुदिन॥॥~~वर्ष२७॥हापुक्रुष्या॥~~दिनात्रा॥
 कक्षिपनिवाहानमानुद्रजाति॥हिहससु॥तायुखाला॥गहिलन
 यन॥नानापुन्ययायु॥सामुसुव॥भवयातवियु॥विदमससुखा
 ॥वात्रकादानीउ॥आखलसयु॥होपनिषक॥नसाकवमुसुत्रसु
 ॥पुजात्रसु॥गात्रवनवनिनाल॥पुत्राहनानाविशसयु॥अह

वगानवायसव॥ गधमातः तवत्स॥ गगनायमरुवः कुलवि
 ना॥ प्रयावृद्धि॥ वहर्मिंसे दासदासि॥ वेदमिउसत्यववन॥ हं
 नृभूतिवद॥ दन्त्रव॥ हतासि॥ स्वहावधुनि॥ नृगनस॥
 खनस॥ पात्रीस॥ वाहानस॥ कृष्ण॥ यिता॥ राहातसूक
 दासकाती॥ आहानसात्रिहाउत॥ सूर्ययव॥ धनुवातवी
 तनागभूतिमात्र॥ अकानमृथू॥ यादूयानायाद॥ मि
 स्वास्यकवर्ष॥ अत्रदाद्यवर्ष॥ विनायवर्ष॥ ११ संपातवर्ष
 १२ सगुममयाहम॥ वर्ष॥ १३ कृषिहागवर्ष॥ १४ धृतिवका
 नमृथूमाननी गयनमभूयवर्ष॥ १०० मृथूमाग्ननिनकृषू
 ॥ हृदनीनकृषूगनी श्ववानमृथूयुदित॥ यकानमृथूमम

नकयाता॥ उयकान॥ हामविश्वनक्षत्रयुगा॥ नागयुगारुहा
 वरिवियक॥ धृतिमात्रि॥ ॥ ७० हृदनाकृषूया॥ ॥
 द्वितात्र॥ नगवतिद्वता॥ मानसव॥ सामुसवपू
 न्याकानी॥ गधमानयीति॥ दवकुलभ्रनकनानाकथा
 ॥ सदां हृदमान॥ वृहदक॥ वाहताकन
 मिखाचववन॥ वमृषानाताननात॥ अपूमि
 म्विदहृमिउ॥ कनातद्वं॥ कायद्वं॥ २५ पत्रिका
 नयका॥ समर्क॥ अनवयतिवालयाय॥ वाय

२२

लिङ्ग ॥ वाङ्मय समग्र्यक ॥ वाङ्मय तद्विधि विदग्ध
मृषि ॥ श्वरा वाङ्मय ॥ मया वृद्धिर्वैजयन्त काङ्मय काव
॥ लोप्याचु ॥ चिन्तनं मन्त्रवृ ॥ वाङ्मय कनग्र्यक ॥ डा
डाडा डाकाथय समिग्र्य यनदं गसुग्र्यकावा ॥ द
न ॥ तिला ॥ वाङ्मय इव ॥ ॐ नाङ्मय श्वराङ्मय ॥
आला लविंता ॥ आदिनं ससं प्रव ॥ अकामृदूव
र्थत कृषि प्रायवर्थ १० मुख यात कृषि सागवर्थ
१६ कृष्यवर्थ ३२ सामं गचारय ॥ थूतिरयमु

मालकं यान उयकाल ॥ माहादेव यजु ॥ नाक
श्वर यजु ॥ लामकायक ॥ सांतिक मृदुलि वि
य ॥ नकु ॥ याथशाय ॥ यद्व्याय ॥ वर्ष १०० ॥ अनकु
षूया अक्षमी ॥ ॥ आद्यान कृ ॥ अंगवाय
॥ नली समृदू ॥ ॥ नवनात कृष्या ॥ जाना ॥ वक्रवाहा
न ॥ दवज्ञान ॥ किंसि सख ॥ यदि तद्व्यरुवा ॥ ग्राग्य ॥ कृगुव
वृद्धि ॥ धर्मगिरि देवता मृगालन ॥ प्रवत विन ॥ विद्यन

मदर्थकं कथ्यताह॥ तिथिं सूखी॥ धनदर्थताहा॥ शत्रुसत्रय॥ वात
वात॥ आस्था॥ समस्तं मीतकातनवूनन॥ विष्णुकाधि॥ निरूपमि
खा॥ मित्रं नग॥ निस्त्रिखपति ज नयक॥ तव हतमि सा र्थना
य॥ मिखावग्यत॥ तीगविनवाहानीकं॥ नृगतसं॥ वाथसंगुह
॥ हत॥ मुख॥ गाथविन॥ कृष्टानानाश्रतं काखप्र॥ धावुवान
पीत॥ श्रुकातम युवर्षे मुखपातन कृतिवनागद्रुसपातस्या
के॥ श्रुजिर्लुवास्याक॥ कामश्रात॥ मिखास्याक॥ सप्तमयाहय
वष २१ पुयाहय॥ वारिं का नियाहय॥ सप्तमयाहयवर्ष ३२ ०

श्रुपवातहयवर्ष २० नृगतसव्यथा॥ ज ऊहयवर्ष ११ नवाय॥
पकातनायरून केयाता॥ उपकात॥ कृजइइदयकीधर्मकातु
पूजा॥ जग्यकर्मयावक॥ वतिविय॥ हा डपदशु कृपा॥ पुनिम
सि॥ जनिश्ववात॥ तवतीनऊतुभदु॥ ॥ ~~श्रुजिर्लुवा~~
प्रकादादवता॥ सदवाहाना॥ दवजाति॥ मदसख॥ कासूखा
ल॥ अननायक॥ हागाश्वययुययाप्॥ दवरूनकिवा॥ ववलवित
॥ वातकसदातिड॥ मीतुश्वप्रहावा॥ पुसादकाय॥ महिदववन॥ पन
दजससूखी॥ वतवक॥ सवकवनी गाल॥ कापुहितिनामकाठा॥

पात्रिका क॥ गङ्गा का क॥ मिता नायक मिखा॥ गुण्याया गो॥
पनिपुत्राया क॥ सति नहि ह॥ तति सक्का, धनदवक्क कतात
अ॥ कुतुनजक कमा॥ पयावक मरुव॥ पुनधनपुया उ॥
यन्॥ गङ्गा हा पूर्ववन॥ कायमी वाताय क॥ भवठा धनतपरु
व॥ सिमागय क॥ नात्र मिखास॥ जलसुया का सीगलस
जसी विन, स्वप्नानावृद्धि॥ आहार आत्मासाक॥ मशहा
अययाय व॥ अतुवान पीत॥ अकातम नु अतीसात॥ वेस
षवर्ष ८ वर्ष १२ आत्रवाधिवर्ष १६ असातत्रायवर्ष २८ असा

सया रुय॥ खया रुय॥ संग्रामयारुय॥ वेतागा शयूरुय॥ वर्ष
३२ कतानयानिमित्तिनरुयवर्ष २० कुरवीला ग अग्निद्यात
वर्ष १८ आतसा म्य॥ आत॥ अतिसात॥ सीमसंवायूरुयव
र्ष २५ माहा इरुवशय॥ सामु केनधर्म अतुपजा॥ तक्रज
अभिवदजा॥ होमक्यायकवल्यावनसर्वकंदयकीसाकिया
य॥ वर्ष ८८ माय॥ कार्तिक शुक्रय॥ अग्नितीनक
३॥ अदिलवानमृथूदिन॥ ॥ **रुतूनीनकशया** ॥
तितात॥ दवन॥ नाक॥ दवता॥ वेतातवाहान॥ म

नृक्षत्राणि ॥ किं हि सत् ॥ पीता वरू ता यवनवर् ॥ धर्मं नो हि
इय ॥ नृसिं महि ॥ वृद्धि विवर्ध ॥ दर्वदय कनितिन धर्ममाय ॥
वानकसयी जनास ॥ दात्री उक्तमामर ॥ कनातया निविदमसु
वनीव ॥ प्रियं सुखी ॥ साकयकवनवन ॥ तज्जनाकमिउधीन ॥ य
नदममसिम् ॥ राज्यासंवाहाव ॥ वनिजाल वि तव रत्न ॥ य
यश्चातमा ॥ रुसुववन ॥ वृत्ति ॥ यदादिक ॥ सक हर्नखावि
॥ आनं ह्यका कार्या द्वि वायन्याधि ॥ निस्तनथीक ॥ तीन
विन ॥ खानस ॥ याकास ॥ जन धस ॥ जसयानाहा तिसुवुवाति
स ॥ खनस ॥ नाहातस ॥ द्युदानानाय प्रिकान ॥ आहान ॥

[illegible]

रुता

का

कासी का ७

का

सा

प

रा

अ

ध

का

ल

अ

ज

ग

ल

१ नमो हस्ति रुताया ॥ केलासवासी मथूना निवासी ति
शुभ्रक्षत्रीमनिगीरवक्षनि वृषगयात्रिगत्रुजगवात्रि नृद
श्वविष्णु श्वसदानमस्तु ॥ १ ॥ पिनाकपाति वरवक्रया नीपक्ष
नर्नसोमव लानन श्व रुमीवलाह सनपत्रवर्त नृद श्वविष्णु
श्वसदानमस्तु ॥ २ ॥ वाद्यीजिनापिन निवाल क्षत्रि स्मभन
वागि जलस्यनवासि धूतूलवीकात्रु उ श्वविष्णु श्वसदानम
स्तु ॥ ३ ॥ जनाकित्रिणीजिना साविक्षत्रि सहेनवावामनद्रव

ॐ॥ कं जात्रवासी वप्रिया गवासितु दुग्धविष्णु सदानमस्तु ॥
॥६॥ किलान्कनपिववला न्कनपिखन्वाजं क्षत्रिवत्रखर्जक्षत्रि
नं त्रक्षत्रिवदिनं त्रक्षत्री त्रुदुग्धविष्णु सदानमस्तु ॥७॥ न
मूलमालावनमालमाला उमाप्रियमा गत्रजाप्रियग्वपापात्रि
देत्याह गोरुति गोरुत्रग्व त्रुदुग्धविष्णु सदानमस्तु ॥८॥
रस्माजं लपिवत्र ग्वपलयाजं दूग्धत्राय दू विदात्रनग्व स
हात्रयुधोजमदगिष्टु त्रुदुग्धविष्णु सदानमस्तु ॥९॥
॥१०॥ मृगग्व त्रुपिवत्रमीन त्रुपाविर्ता गत्रुपीनत्रसिंदु त्रुपी
गिवस्त्रुपी वत्रवद्ध त्रुपी त्रुदुग्धविष्णु सदानमस्तु ॥११॥

॥१२॥ वृक्षस्त्रुपी नपतिस्त्रुपी वक्रिस्त्रुपा जलमूर्ति त्रु
पा त्रुं दं वृक्षाजि त्रुं दनत्राह कृदि त्रुदुग्धविष्णु स
दानमस्तु ॥१३॥ ग्रावन्द क्षत्री वस्त्रुक्षत्री कसप्रमाथा त्रिष्ट
रप्रमाथा कामांगनासिदस ग्रावनासी त्रुदुग्ध ॥१४॥ गन्ध
वलागा जज्ञसानमं नोसीदस ग्रावनासी त्रुदुग्ध ॥१५॥ रागा
त्रुं कात्रुपी वत्र जागत्रुपा दिनस्त्रुपी वत्र त्रात्रि त्रुपी त्रु
दुग्ध ॥१६॥ ग्रात्रादिनाथ वत्रषिननाथ ग्रावकृ विक्रा
वत्रषानविक्रा त्रुदुग्ध ॥१७॥ यत्रुदुविष्णु सनतं त्रिकात

नीनुष॥२॥ अथरश्मि ननयकेवत्रमूषानपातमद्रिधि
 ज्ञात्ररूपिव(थाननरीगुपिधिगुष्मादवीसाहनश्रुतिरान
 अगमस्यपत्रमकथिनतिसूत्रनतिस्यमावागमसखानि
 व॥३॥ ॐ नानयस्यतत्रातत्रसरुसाध्यामकायवधश्र
 वज्ञगनाथसज्जकागिरसतुमलीमाधवास्यतत्रासूख
 ॐ ज्वरीत्रकुमिस्यवकृष्टनयाकत्राता(थक्रामिसाडा
 नादेवीज्ञगनयामा॥४॥ उत्रनदिनत्रासदासदाउ(थन्यामि
 त्रितायकरवप्सकाकुतीनर्घथसूत्रदयकवायनवायन

गम (थ) मो ग्वरु उर्म ननइ सखाना वा तथा ताक न तथा न कास
दात्रा मो वा ताद को स्य न ॥ ५ ॥ सत य ह मिस वा थि न ग व
तिसा या न गु ली न पा न इ ज या उ पा क म रु ड स पा ड मू क यो डि
लि ता न ज रा क्ता न म तु जि धा र क्ता य जा के रु क हा व श ग दि न
मान त प (थ) आ क्ता व श व ता ॥ ६ ॥ स सा स ना ख ता स रू न्दु पु
जा या य नि त पा य थ य थ स कि र्ज व पि त्रि ति न स द म द प स
त्रि क वा य थ व का ज स खि य नि आ स न स रं क्ता हा र ह व ड ग
त या न पा न म रु नी न त व ॥ ७ ॥ न व ड्का य य क स क टि या त या
ख न द य क ता स ख पु नि सि म कि मा ठा (थ) पि ना थ न द व मा

(थ) मा (थ) वा य हा व न ता व ता क नि ड य र मा (थ) रु य थि सा ता
न वा क्ति पु जा या य रु क ॥ ८ ॥ डी न वा न इ ता वा र क रु स रु
स वा हा ता क्ता य व हा र म्मा न न मा (थ) रु स मि ता य क्ता त क ता
मि तु य दा रु वि वा ता डी का र न स र या स मा ध स तान स य थ
र मा गा था ना जि र स रु वा न ॥ ९ ॥ अं ग नी र म र या स रु गु
नि क्क र्ग द र या न्पा न ध का स दा वा नी थ ख न (थ) न (थ)
पु र व या क्ता न अ म ता पु र ख ड थि सा ० ती क स सा त त रं रु
स हा ता पु सा व व द र्सा स य धा र मा गा था ना सि र स रु वा

ॐ

१५

श्री

ॐ

५२

श्री

ॐ

२५८३ लालापकिम ३१
कुषा १ पकिम मुखनाम ५
यथ कुसवासनसा, वनरु
निशयिव

वा

प

५५

वा

प

५६

ॐ

१५

श्री

ॐ

५२

श्री

ॐ

२५८३ दिगससका ३३
खाद नसा, थ कुषा नाम
पात मुखया ॥ भावा गो
सिथिव

वा

प

५५

वा

प

५६

२५८३ दिगससका ३३
खाद नसा, थ कुषा नाम
पात मुखया ॥ भावा गो
सिथिव

ॐ

ॐ

पू

श्री

ॐ

उप

श्री

ॐ उग्रवसुक्तुखापञ्च

मखसखाकुलसायमसू द उ

नामधायमत्याशयूव॥

उ

वा

प

न

ॐ साउसकुदादाव

दजिलकुकासदान द

साथकुयान्नामवताधाय

धननागशयिवक

योवविश्यागशयिव

न

वा

प

न

ॐ

पू

श्री

ॐ

प

श्री

उ

ॐ साखसकुदवपायुमग

शकीमदुथकुनामपञ्च

धायपुनागशयिव

वा

प

न

द उ

ॐ साखसकुदायेवउ

रुनशमदुथयानाम

हिलनेधायसपति

खशयूव

वा

प

न

द

ॐ

प

आ

साखसंकुदवपवसरका
उ मइअरुयामसखेनयाय
वनवमधुपुत्रयिव

वा

य

न

य

आ

परवसंकुदवगु
परवसंकुदवगुलि
वुरकवयथगु
लिहसवागयाकक्र
ताम्यायिवधुनजनद
युव

द

वा

य

न

ॐ

प

आ

ॐ

प

आ

दधिनसंकुदवापकि
मगादुरवादगुतिहसाया
उ नामसिद्रायभयवनसप
तिरुतलाहदे

वा

य

न

वा

य

न

पूर्वसंकुवाउरुसंकु
वाहवगुतिहयानाम
ददाभयनाजदभुरु
यदयिव

द

ॐ

प

श्री

ॐ
 उ द
 दक्षिणसकृत्वा
 उ कृत्वा दवगुलिकृत्वा
 रणमामधायकलहृद
 यिडाकृत्वा विरयिव ॥

वा

प

न

ॐ

प

श्री

दक्षिणसकृत्वा
 उ उरसकृत्वा दडागुत्वा
 उ लिङ्गका वगृह्य
 यगतिनामशयि

डा

वा

प

न

ॐ

प

श्री

ॐ
 उ द
 पर्वसकृत्वा पन्थिमस
 कृत्वा दडागुलिकृत्वा
 त्रिनामधाययुधनना द
 सडा

वा

प

न

ॐ
 मडकृत्वा त्रिनामधाय
 यगृह्यविद्यावमडा
 यिवमान्यलायिडा

श्रीगणेशाय नमः
गुलिबुकपावकनामध
इतिरुयिडाधननाम

नैदि लकोनसकुम
इगुलिबुकसुविद्याना
सुतागाइखीरुयिडा

गुरु
रुकसार
यातहन॥७

ॐ २१ ए आ

इ६५ व्या ३२ द्वात्रिंशयपि
म्वलकिर्वव्यायमात्रत्याता
वंव्यायमात्र्याताया १६५ वर्ता
यानवांसकिवाजमाताननधा
यथसूयनैवाग३२ माता६४५
सिसातायाइमात्रा ८ गु१३३
त्रमातापतिवाय २५४ ग १६
इ१३ आनजके २५४ सावांस
विवायइयाविउके॥नंतय

वायव्यसकुमइगुलि
उसधननगतायायिडा दे
तागाइजानमइ॥ ॥

वा य न

दकिनसीउरुसीयाकगु
लिसधननागइतिरुयि

पश्चसखवखवमइगुलिस
धननागइमिडाअगुहइमि

पकिमजजवडास्यादक
थुगुनिसफिदंम्यायिडाध
नृत्तातारुयिदयिडा॥

पूर्वसडास्यादपञ्चिमस
डास्यादगुलिकंसदखना
गमिलहिदधनदततारु॥

उदकोनामरेरुमय
वास्तुमध्वसंकुवा
दसासमस्तवस
न्यहइमिडा

पूर्वपञ्चिमसंकुखामदास
गुयागुनिसस्याइमिडागतिथति

पूर्वसंकुखादकिनसस
खापञ्चिमससाखादडा
वुगुनिसफियुतुनागा॥

पूर्वसंसावाउरुनसंसावागु
लिगलागिरुयिडाआयासदमि

वहृदुधनाब
क्रानिरुयिडा

उत्सखवाकृगुलिभासा
लहिनरुयिवस्मिनिमिहिन
धनभायिडा

यखसंकृखानेमल्यस
कृखागुलिससखसंप
द

दडिनसंकृवायेकून
संकृखागुलिससखस
पहिदगुनिकरुयिगु
शतुन्यमकाय ॥

दडिनसंकृवायेकूनसं
कृखागुलिससखसंपहि
दगुनिकरुयिगुशतुन्यमका
य

आदिगसंकृखादडा
सर्वथनामपदितज्ञानि
गुरुशयिडा ॥

यकूनसंकृदडायखसयाक
धनलारुसखिगनाग ॥

यखसंकृवायेकूनसं
कृखासकनकाकगुलि
ससंपदयिडा

पूर्वसंपत्तिमसंसारवालुकनकाके ३ हसनखादगुलिहया
नामरुडाभयधनपुत्रिलिनाहसमसंपत्तिदयिव ॥

पूर्वसंमूलसारवालुकनकाकेपत्तिमसंसारवालुकनकाके
दत्तिनसुठरुनसकुखाकुरवधननारुपुत्रनारुविद्यनारुक
न्यानारु

ॐ नमस्तुभ्यो आग्नयस्तु
यादत्तिनस्तु वापत्तिमस्तु
कुखादडागुलिहयदयिव
वद्यासायडा

धनयाल आग्नयस्तुकाद
वकुहनासनामत्रुजसिक
यिडाकावाइयिडा

नेमसस्तुकादडागुलिहय
नाल्यनाल्लोनपथयिव
यदयिडा महिदइय ॥

यत्तिमस्तुखासलकुया
मइवाकलकुदवत्रुतिइय

कालसासत्यर्न, ऊमादयुव, शोभाया शोभातानिवधनया
सिद्धिदयुषः ॥ ॐ ॥ आदिसुम (धस ॐ नु
अननसममथाथखानेठावथकार्जुनार्जुनाहदयुव
जयशक्तिविधिप्रीतिदयुषः ॥ ॐ ॥ आदिसुम ॐ नु
दधुसु ॐ नु अननस, राजा, थाथखानेठावथकार्जुनार्जुना
ससी ॥ धुपके थाकु ॥ ॐ ॥ आदिसु ॐ नु दधुसु
यम अंतनस ॐ नु थाथखानेठावथकार्जुनार्जुना
शयुव, हयमालीव, दूखसंयमात्रिव, नववोतनइव

शयुव ॥ ॐ ॥ आदिसु ॐ नु दधुसु यम अंतन
संयमथाथखानेठावथकार्जुनार्जुनाहदयुव
वायुवनिषधननासशयुवइशयुव ॥ ॐ ॥
॥ आदिसु ॐ नु म (धस यम, अंतनस, राजा, थाथखानेठा
थकार्जुनार्जुनाहदयुव, सपहीनाकालीलाहदयुव ॥
ॐ ॥ आदिसु, अंतनस ॐ नु दधुसु राजा, थाथखाने
थकार्जुनार्जुनाहदयुव ॥ ॐ ॥ आदि
सु ॐ नु म (धस राजा, अंतनस यमथाथखानेठाव
थकार्जुनार्जुनाहदयुव, समसु, सवहि, दयुवगार्जु

नागशयव ॥ ॥ ~~ॐ नमः~~ ॥ आदिसंस्तु मध्याह्नं
 तस्य राजा यथैवा नदावथ कार्जसंस्तु यदयव
 संप्रति समस्तदयव कल्याण शयव संद ह ममाल
 ॥ ~~ॐ नमः~~ का प्रादि प्रणमः ॥ ॥ ययय ॥ संपूर्ण अन
 संयमनवान नदावथ कार्जसंस्तु संप्रति हानि शयव
 यमालिव कार्जना शयव ॥ ॥ ~~ययय~~ ॥ आदिसंस्तु
 सयमं तस्य संस्तु यथैवा नदावथ या रु
 लथ कार्जसंस्तु न लय को न नानं सिध शय
 व ॥ ॥ ~~ययय~~ ॥ आदिसंस्तु सयमं संस्तु तस्य

राजा यथैवा नदावथ कार्जयाय संस्तु याव विजा
 गशयव मध्याह्नं कष्ट शयव ॥ ॥ ~~ययय~~ ॥ आदि
 संयमं मध्याह्नं संस्तु यथैवा नदावथ या रु
 लथ कार्जयाय संस्तु नारायण शयव सिद्धिद
 यव प्रीतिदयव ॥ ॥ ~~ययय~~ ॥ आदिसंस्तु सयमं
 तस्य राजा यथैवा नदावथ नारायण लथ कार्ज
 समस्त रुय शयव गुरुनया जगयाव ॥ ॥ ~~ययय~~ ॥
 आदिसंस्तु सयमं स राजा संस्तु यथैवा नदा

अथारुलथकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
मथानैविर्तरुमयासिधशयुव॥ ॥यमय॥
आदिसर्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
वथकार्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
॥यमय॥ आदिसर्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
नकार्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
खनलारुदयुव॥ ॥ॐनिममादिप्रग्न॥ ॥
गगग॥ यथसुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
शयुवसुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव॥ ॥गगय॥ आदि

सदथसुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
रुलथकार्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
ठकषयायमालिव॥ ॥गग॥ आदिसर्त्तस
सुखनकार्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
कार्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
धननासशयुव॥ ॥गग॥ आदिसर्त्तस
गगदथसुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव
सुखनकार्त्तससुखनकार्त्तससुखनकार्त्तसिधशयुव

रागुरं समाप्य ॥ गुरुं

धर्माप्य कुरुं समाप्य पाताद
होदुष्य पुराण ॥ १७ ॥

प्रकप्रकेप्रक १ ३ इयप्रक ३ २
प्रक ३ गना इय २ इय ३ गनावाल ४
प्रकतिनिति न ३ इयतिनित्व ७
प्रकवालवाल ४ इयवालश्रथ ६
प्रकपायपाव ५ इययवदण १०
प्रकपायकव ६ इयकवावह १२
प्रकसायसाव ७ इयसाथवउह १४
प्रकश्रथश्रथ ६ इयश्रथलतह १७
प्रकनवानवट ८ इयदणविण १८
प्रकदणदण ९० इयनवाश्रुआवह २०